

संपादकीय

महा-म्यूजिकल चेयर

महाराष्ट्र में शु वार की शाम और शनिवार की सुबह के बीच घटनाक्रम इतनी तेजी से घूमेगा, ऐसा शायद ही किसी ने सोचा हो। देश शाम तक यह लगभग तय हो गया था कि राज्य में शिवसेना, एनसीपी और कांग्रेस की सरकार बनेगी। तीनों पार्टीयों में सता में हिस्सेदारी के फॉर्म्युले पर भी आम राय बन गई थी। अद्यानक प्रदेश एनसीपी अध्यक्ष और पार्टी विधायक दल के नेता अजीत पवार ने राज्यपाल से भिलकर उन्हें पार्टी के सभी 54 विधायकों का समर्थन पत्र यह कहते हुए सौंपा कि वे बीजेपी के साथ हैं। अगली सुबह जब तक किसी को कुछ खबर होती, तो केवल राज्य से राष्ट्रपति शासन उठा लिया गया बल्कि देवेंद्र फडणवीस को मुख्यमंत्री और अजीत पवार को उप-मुख्यमंत्री के रूप में शपथ भी दिला दी गई।

स्वाभाविक रूप से तमाम विपक्षी दल इस पर उद्दीपित हैं। वे न केवल केंद्र सरकार और राज्यपाल के आचरण पर सवाल उठा रहे हैं बल्कि अजीत पवार के कृत्य को धोखाधड़ी भी करार दे रहे हैं। यह सही है कि राज्यपाल भगत सिंह को शिवायी ने जिस तरह की तत्परता राष्ट्रपति शासन लगाने और फिर हटाने की शिफारिश भेजने में दिखाई, उसे कोई अच्छा उद्धारण नहीं माना जाएगा, लेकिन मामले का दूसरा पहलू यह है कि राज्यपाल ने देवेंद्र फडणवीस को मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाकर कोई असर्वैधानिक कार्य नहीं किया है। आखिर फडणवीस विधानसभा चुनाव के बाद उभरी सबसे बड़ी पार्टी के विधायक दल के नेता हैं।

संविधान के मुताबिक राज्यपाल जिसे भी उपयुक्त समझें सरकार गठन का मौका दे सकते हैं, तो उन्होंने मौका दिया है। हाँ, इसके बाद करने को उनके पास ज्यादा कुछ नहीं बचता। बोम्बई केस में सुप्रीम कोर्ट का फैसला है कि विधायकों के बहुमत का निर्णय सदन के पटल पर ही हो सकता है, कहीं और नहीं। अगले शनिवार प्रदेश राजनीति की दृश्या और दिशा भी वहीं से तय होगी। राजनीति में अजीत पवार का प्रताप-प्रभाव अब तक अपने चाचा शरद पवार की छाया के चलते ही था। पहली बार वे इस छाया से बाहर निकले हैं। देखना होगा कि पार्टी पर या विधायकों पर उनकी पकड़ वास्तव में कितनी है। विधानसभा में कितने विधायक वे अपने साथ ला पाते हैं।

महाराष्ट्र की राजनीति के शिखर पुरुष शरद पवार को भी उम्र के इस पकड़ पर विकट राजनीतिक परीक्षा से गुजरना पड़ेगा। प्रदेश में एक अनुरा राजनीतिक प्रयोग उनके प्रयासों की बड़ौलत शुरू हो रहा था जो उनकी ही नाकमी के चलते बीच में अटक गया। शिवसेना और कांग्रेस की इसमें कोई भूमिका नहीं रही। क्या वे पार्टी और प्रकारांतर से प्रदेश राजनीति पर अपनी मजबूत पकड़ का सबूत पेश करते हुए बीजेपी के इस चरखी दांव को नाकाम कर पाएंगे? आगे की राजनीति का स्वरूप काफी हृद तक इसी सवाल के जवाब पर निर्भर करेगा, जिसके लिए हमें सदन में विश्वास प्रस्ताव के नीतियों का इंतजार करना होगा।

मोनिका भद्रौरिया ने छोड़ा तारक मेहता का उल्टा चश्मा,

6 साल से थीं शो का हिस्सा



उन्होंने कहा, हाँ मैंने शो छोड़ दिया है। इस बात को 2 महीने से भी ज्यादा हो चुके हैं। मैं अपने निभाए रुपरेक्षा को बहुत मिस करूँगी क्योंकि इसे मैं अपने हिसाब से छोड़ दिया है।

कुछ वक्त पहले ऐसी खबरें आई थीं, जिनमें कहा गया कि मोनिका भद्रौरिया ने अपनी फीस बढ़ा दी है। लेकिन उन खबरों का खंडन करते हुए मोनिका ने कहा, मैंने तारक मेहता का उल्टा चश्मा

तारक मेहता का उल्टा चश्मा छोड़ दिया है।

मोनिका ने बताया कि उन्होंने

तारक मेहता... छोड़ दिया है।

मोनिका ने बताया कि उन्होंने

तारक मेहता का उल्टा चश्मा

में अपने हिसाब से छोड़ दिया है।

मोनिका ने बताया कि उन्होंने

तारक मेहता का उल्टा चश्मा

में अपने हिसाब से छोड़ दिया है।

मोनिका ने बताया कि उन्होंने

तारक मेहता का उल्टा चश्मा

में अपने हिसाब से छोड़ दिया है।

मोनिका ने बताया कि उन्होंने

तारक मेहता का उल्टा चश्मा

में अपने हिसाब से छोड़ दिया है।

मोनिका ने बताया कि उन्होंने

तारक मेहता का उल्टा चश्मा

में अपने हिसाब से छोड़ दिया है।

मोनिका ने बताया कि उन्होंने

तारक मेहता का उल्टा चश्मा

में अपने हिसाब से छोड़ दिया है।

मोनिका ने बताया कि उन्होंने

तारक मेहता का उल्टा चश्मा

में अपने हिसाब से छोड़ दिया है।

मोनिका ने बताया कि उन्होंने

तारक मेहता का उल्टा चश्मा

में अपने हिसाब से छोड़ दिया है।

मोनिका ने बताया कि उन्होंने

तारक मेहता का उल्टा चश्मा

में अपने हिसाब से छोड़ दिया है।

मोनिका ने बताया कि उन्होंने

तारक मेहता का उल्टा चश्मा

में अपने हिसाब से छोड़ दिया है।

मोनिका ने बताया कि उन्होंने

तारक मेहता का उल्टा चश्मा

में अपने हिसाब से छोड़ दिया है।

मोनिका ने बताया कि उन्होंने

तारक मेहता का उल्टा चश्मा

में अपने हिसाब से छोड़ दिया है।

मोनिका ने बताया कि उन्होंने

तारक मेहता का उल्टा चश्मा

में अपने हिसाब से छोड़ दिया है।

मोनिका ने बताया कि उन्होंने

तारक मेहता का उल्टा चश्मा

में अपने हिसाब से छोड़ दिया है।

मोनिका ने बताया कि उन्होंने

तारक मेहता का उल्टा चश्मा

में अपने हिसाब से छोड़ दिया है।

मोनिका ने बताया कि उन्होंने

तारक मेहता का उल्टा चश्मा

में अपने हिसाब से छोड़ दिया है।

मोनिका ने बताया कि उन्होंने

तारक मेहता का उल्टा चश्मा

में अपने हिसाब से छोड़ दिया है।

मोनिका ने बताया कि उन्होंने

तारक मेहता का उल्टा चश्मा

में अपने हिसाब से छोड़ दिया है।

मोनिका ने बताया कि उन्होंने

तारक मेहता का उल्टा चश्मा

में अपने हिसाब से छोड़ दिया है।

मोनिका ने बताया कि उन्होंने

तारक मेहता का उल्टा चश्मा

में अपने हिसाब से छोड़ दिया है।

मोनिका ने बताया कि उन्होंने

तारक मेहता का उल्टा चश्मा

में अपने हिसाब से छोड़ दिया है।

मोनिका ने बताया कि उन्होंने

तारक मेहता का उल्टा चश्मा

में अपने हिसाब से छोड़ दिया है।

मोनिका ने बताया कि उन्होंने

तारक मेहता का उल्टा चश्मा

में अपने हिसाब से छोड़ दिया है।

मोनिका ने बताया कि उन्होंने

तारक मेहता का उल्टा चश्मा